Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Art - First Year, First Semester

Hindustani Music Vocal/Instrumental

(Non Percussion) (Regular)

Session-2023-24

S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	MidTerm/ Attd Marks	Min Marks	End Term Marks	Min Marks	Total Marks	Min. Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)							
1.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-101	30	11	70	25	100	36
2.	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-102	30	11	70	25	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique							
3.	I- Demonstration &Viva	C2- MMVI-101	30	11	70	25	100	36
4.	II- Stage Performance	C2- MMVI-102	30	11	70	25	100	36

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

Master of Art - First Year, First Semester

गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र

Hindustani Music Vocal/Instrumental

(संगीत का इतिहास एवं विकास/History & Development of Indian Music)

Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों का परिचय।
2. मध्यकालीन संगीत का इतिहास एवं विकास ।

इकाई–2

1. भरतकृत नाट्यशास्त्र, नारदकृत नारदीय शिक्षा एवं संगीत मकरन्द का सामान्य परिचय व संगीत से संबंधित अध्यायों की विषय सामग्री की जानकारी।
2. जाति की परिभाषा, लक्षण तथा भेद एवं ग्राम की परिभाषा एवं प्रकार।

इकाइ–3

1. पुष्टि मार्गीय संगीत (हवेली संगीत), राग ध्यान एवं राग–'रागिनी वर्गीकरण।
2. सारणा चतुष्टयी का अध्ययन तथा शोध प्रविधि की धारणा एवं महत्व।

इकाई–4

1. रविन्द्र संगीत का सामान्य अध्ययन व उसके प्रकार।
2. विष्णु नारायण भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वर लिपि पद्वति की पाश्चात्य स्वर लिपि पद्वति से तुलना ।

इकाई–5

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर, पं. एस. एन. रातंजनकर, पं. बलवन्त राय भट्ट ''भावरंग'', सगीत शास्त्र विदुषी प्रो. प्रेमलता शर्मा का सांगीतिक योगदान।
2. संगीत सबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।

1. गुरू शिष्य पंरपरा एवं संस्थागत शिक्षण
2. वैज्ञानिक उपकरणो ंकी उपयोगिता।
3. संगीत का पुनरूथान।
4. संगीत समसामयिक प्रवृत्तियां।
5. उच्च शिक्षा की अवधारणा एवं उद्वेश्य ।
6. अन्य विषय।

Rajaram

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

Master of Art - First Year, First Semester

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र

Hindustani Music Vocal/Instrumental

(संगीत का क्रियात्मक सिंद्धात/ Applied Principle of Music)

Session-2023-24

समयः— 3 घण्टे | पूर्णांक :—70

इकाई—1

1. पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय परिचय। (मारूबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भपूाल तोडी, पूर्वी, श्री, पूरिया कल्याण, गुर्जरी ताड़ी)
2. भरव, तोडो रागांगों का विशेष अध्ययन तथा इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई—2

1. राग रागिनी वर्गीकरण तथा मेल राग वर्गीकरण का तुलनात्मक अध्ययन।
2. घराने का अर्थ एवं महत्व, ख्याल गायन के दिल्ली व पटियाला घरानों की जानकारी।

इकाई—3

1. काकु, कुतुप, वृन्द का शास्त्रीय परिचय।
2. ध्रुपद एवं ख्याल की उत्पत्ति और विकास तथा वाद्य संगीत की गतों का विश्लेषणात्मक अध्यययन

इकाई—4

1. छंद और ताल का संबंध एवं दिये हुए पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम में से उपयुक्त राग व ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।
2. ब्रह्म, रूद्र एवं जत ताल का ठेका एवं परिचय।

इकाई—5

1. त्रिताल, एकताल, झपताल को आड, कुआड एवं बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।
2. भारतीय संगीत के लिये आवश्यक कंठ संस्कार की विधि तथा उसकी उपयोगिता।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

Master of Art - First Year, First Semester

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक–प्रथम

Hindustani Music Vocal/Instrumental

*(प्रदर्शन एवं मौखिक/**Deomstration & viva**)*

Session-2023-24

समयः– 30 मिनिट पूर्णाक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में विलम्बित ख्याल पाठ्यक्रम के राग/मसीतखानी गत।
3. सभी रागों में छोटा ख्याल/रजाखानी गत का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुततीकरण।

   राग :– मारूबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भपूालतोडी, श्री, पूर्वी, पूरियाकल्याण, गुर्जरी तोड़ी।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार उपज सहित व लयकारियों सहित प्रस्तुत करना।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से एक तराना या त्रिवट/चतुरंग का गायकी सहित प्रदर्शन।
6. वाद्य के परीक्षार्थियों हेतु तीनताल से पृथक किन्हीं अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप, तान सहित वादन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
Master of Art - First Year, First Semester
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक–द्वितीय
Hindustani Music Vocal/Instrumental
(मंच प्रदर्शन/Stage Performance)
Session-2023-24

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर विलम्बित एवं मध्य लय की रचना का विस्तृत गायकी/तत्रंकारी सहित प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पाँच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तत्रंकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद या धमार, तराना का प्रदर्शन। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त किसी रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

सैद्धातिक प्रश्नपत्र में अंको का विभाजन निम्नानुसार होगा।

खण्ड–अ वस्तुनिष्ठ प्रश्न–प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएगे।

प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। कुल 10 प्रश्न पूछे जाएगें।

खण्ड–ब लघु उत्तरीय प्रश्न–प्रत्येक इकाई से विकल्प के साथ एक–एक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा।

खण्ड–स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–प्रत्येक इकाई से विकल्प के साथ

एक–एक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक पश्न 8 अंक का होगा।

Rajaram

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Art - First Year, Second Semester

Hindustani Music Vocal/Instrumental

(Non Percussion) (Regular)

Session-2023-24

S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Attd Marks	Min Marks	End Term Marks	Min Marks	Total Marks	Min Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)							
1.	I- History & development of Indian Music	C1-MMVI-203	30	11	70	25	100	36
2.	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-204	30	11	70	25	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique							
3.	I- Demonstration &Viva	C2- MMVI-204	30	11	70	25	100	36
4.	II- Stage Performance	C2- MMVI-205	30	11	70	25	100	36

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

प्रथम वर्ष– द्वितीय सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य–प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास/Histroy & Development of Indian Music)

Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. वैदिक कालीन संगीत, रामायण कालीन संगीत व महाभारत कालीन संगीत का अध्ययन।
2. मौर्य कालीन तथा गुप्त कालीन संगीत का अध्ययन।

इकाई–2

1. संगीत रत्नाकर एवं बृहददेशी ग्रंथों की विषय सामग्री व ग्रंथों का परिचय।
2. भारतीय संगीत की दो धाराओं गाधंर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देशी का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. मूर्छना की परिभाषा व प्रकार। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट से मूर्च्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति।
2. स्वर प्रस्तार, खण्ड मेरू, नष्ट एवं उदिष्ट विधि का अध्ययन।

इकाई–4

1. भारतीय संगीत में वाद्यों के वर्गीकरण के आधार पर तत् व वितत् वाद्यों का स्पष्टीकरण।
2. निम्नलिखित रागो ंका विवेचनात्मक अध्ययन। अहीर भैरव, देसी, जोग, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोडी, नंद, बरैागी भैरव।

इकाई–5

1. स्थाय एवं उनके प्रकार। संगीत में बंदिश का महत्व।
2. उ. जिया माईउद्दीन डागर, राजा नवाब अली, पं. रामचतुर मलिक, उ. बहराम खॉ, पं. भीमसेन जोशी, संत त्यागराज का जीवन परिचय व सांगीतिक योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
***M.A.* प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित**
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)
प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर
(गायन/स्वरवाद्य–द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत/ ***Applied Principles of Music****)*
Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. पं. भातखण्डे जी द्वारा निर्दिष्ट हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सर्वसाधारण नियम।
2. निम्नलिखित रागांगों का विशेष अध्ययन। कल्याण व बिलावल इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. वैदिक कालीन संगीत के सप्तक का विकास तथा संगीतिक स्वरान्तर।
2. स्वर गुणातंर, स्वर संवाद, षड्ज मध्यम व षडज पंचम भाव से सप्तक की रचना।
3. शिखर, गजझम्पा तालो ंका परिचय एव उनकी लयकारिया।

इकाई–3

1. हारमनी व मैलाडी का तुलनात्मक अध्ययन।
2. दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग व ताल में चुनकर उसमें निबद्ध करना।

इकाई–4

1. रस की अवधारणा एवं मतांतर तथा स्वर व रस का पारस्परिक संबंध।
2. सौंदर्यशास्त्र –एक विश्लेषण भारतीय एव ंपाश्चात्य मतानुसार।
3. संगीत का सौन्दर्य एवं रस से सम्बंध।

इकाई–5

1. रूद्रवीणा, सितार, सुरबहार, सारंगी, शहनाई वाद्या की उत्पत्ति और विकास।
2. सेनिया घराने के मुख्य कलाकारों का परिचय।
3. संगीत संबधी निम्नलिखित विषयों पर न्यनूतम 300 शब्दों में निबन्ध।

1. संगीत और अध्यात्म ।
2. संगीत एवं भाव।
3. संगीत का मनोवैज्ञानिक पक्ष।
4. संगीत का अन्य ललित कलाओं से सम्बंध।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

प्रथम वर्ष– द्वितीय सेमेस्टर

गायन / स्वरवाद्य प्रायोगिक–प्रथम

*(प्रदर्शन एवं मौखिक/**Demostration & viva**)*

Session-2023-24

समयः– 30 मिनिट | पूर्णांक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति
2. निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में एक बडा ख्याल या विलम्बित रचना, एक छोटा ख्याल या मध्य लय की रचना विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुत करना। राग : – अहीर भैरव, देसी, जागे, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोडी, नंद, बैरागी भैरव।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, उपज एवं लयकारी सहित प्रस्तुत करना।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक तराना, त्रिवट या चतुरंग अथवा टप्पा या ठुमरी प्रस्तुत करना। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये त्रिताल के अतिरिक्त किन्हीं अन्य दो तालों में विस्तृत तंत्रकारी सहित रचना प्रस्तुत करना।
5. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास एवं राग पहचान।

Rajaram

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

प्रथम वर्ष– द्वितीय सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक–द्वितीय

(मंच प्रदर्शन/Stage Performance)

Session-2023-24

समयः– 20 मिनिट — पूर्णांक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर बडा ख्याल या विलम्बित रचना, छोटा ख्याल या द्रुत लय की रचना को विस्तृत गायकी/तत्रंकारी सहित प्रस्तुतिकरण।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित परीक्षक द्वारा दिये गये पॅाच रागों में से एक राग की प्रस्तुति।

3. पीलू, चारूकेशी, माण्ड रागों मे से किसी एक राग में ठुमरी, टप्पा, भजन अथवा धुन का प्रदर्शन।

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Art - Second Year, Third Semester

Hindustani Music Vocal/Instrumental

(Non Percussion) (Regular)

Session-2023-24

S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Atted. Marks	Min Marks	End Term Marks	Min Marks	Total Marks	Min Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)							
1.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-305	30	11	70	25	100	36
2.	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-306	30	11	70	25	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique							
3.	I- Demonstration &Viva	C2- MMVI-307	30	11	70	25	100	36
4.	II- Stage Performance	C2- MMVI-308	30	11	70	25	100	36

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित*

M.A.in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– तृतीय सेमेस्टर

(गायन स्वरवाद्य– प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास/ Histroy & Development of IndianMusic)

Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे | पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. मुगलकाल एवं उत्तर भारतीय संगीत।
2. स्वतन्त्रता के पूर्व एवं स्वतत्रता के पश्चात् हिन्दुस्तानी संगीत की स्थिति।

इकाई–2

1. भरत तथा शारंगदेव के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।
2. रामामात्य एवं व्यंकटमखी के ग्रंथो का अध्ययन।

इकाई–3

1. प्रबंध की परिभाषा एवं प्रकार। प्रबंध के धातु एवं अंगों का परिचय।
2. पाठ्यक्रम के रागो में बन्दिश, आलाप, तान लेखन। पाठ्यक्रम के रागो का उनके समप्रकृतिक तुलनात्मक अध्ययन। (झिंझोटी, चन्द्रकास, नट भैरव, वसंत मुखारी, गोरख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार)

इकाई–4

1. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यत्रों का संगीत मे उपयोग एवं इनसे होने वाले लाभ एवं हानि विषय पर न्यूनतम 400 शब्दों में निबन्ध।
2. दिये गये पद्यांश या वाद्यगत वाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

इकाई–5

1. मध्ययुग में भारतीय संगीत पर विदेशी संगीत के प्रभाव का अध्ययन।
2. स्वरमेल कलानिधि, राग तरंगिणी ग्रंथों का परिचय।
3. प्रो. एन. राजम्, उस्ताद अमजद अली खॉ, नारायण राव व्यास, विनायक राव पटवर्धन का जीवन परिचय।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– तृतीय सेमेस्टर

(गायन स्वरवाद्य– द्वितीय प्रश्न पत्र)

(संगीत का क्रियात्मक सिद्धांत/Applied Principle of Music)

Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. ध्वनि की उत्पत्ति – तरंग, वेग। सांगीतिक ध्वनि एवं असांगीतिक ध्वनि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. मेल राग वर्गीकरण का अध्ययन।

इकाई–2

1. आन्दोलन, कम्पन, डोल, आवृत्ति, अनुनाद, अनुरणन का परिचय।
2. भारतीय संगीत में वृंदगान एवं वृंदवादन।

इकाई–3

1. स्वस्थान नियम एवं आलप्ति के प्रकारों की जानकारी।
2. कर्णनेन्द्रीय की सचित्र जानकारी।

इकाई–4

1. कंठ स्वर संस्थान की सचित्र जानकारी।
2. नाद की संगीत उपयोगिता स्वयंभू, उपस्वर की विवेचना।

इकाई–5

1. भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों का चिकित्सीय प्रभाव। (संगीत चिकित्सा पद्धति)
2. भारतीय शास्त्रीय संगीत का मनावैज्ञानिक प्रभाव।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– तृतीय सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक–प्रथम

(प्रदर्शन एवं मौखिक/Demostration & Viva)

Session-2023-24

समयः– 30 मिनिट पूर्णाक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत एवं सभी रागों में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत की रचना (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ) झिझोटी चन्द्रकौंस, नट भैरव,वसंत मुखारी, गोरख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार

2. उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद एवं एक धमार।

3. लयकारी सहित दो तराने गायकी सहित/वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त अन्य 2 तालों में रचना एवं धुन।

Rajarem

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– तृतीय सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक–द्वितीय

(मंच प्रदर्शन/Stage Performance)

Session-2023-24

समयः– 20 मिनिट पूर्णाक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनिट में बडा ख्याल/मसीतखानी गत का प्रदर्शन।

2. परीक्षक द्वारा दिये गये पॉच रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।

3. ठुमरी–दादरा की प्रस्तुति – राग तिलंग, खमाज, काफी। वाद्य के परीक्षार्थियो के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Art - Second Year, Fourth Semester

Hindustani Music Vocal/Instrumental

(Non Percussion) (Regular)

Session-2023-24

S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Atten.Marks	Min Marks	End Term Mark.	Min Marks	Total Marks	Min Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)							
1.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-407	30	11	70	25	100	36
2.	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-408	30	11	70	25	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique							
3.	I Demonstration &Viva	C2- MMVI-410	30	11	70	25	100	36
4.	II. Stage Performance	C2- MMVI-411	30	11	70	25	100	36

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर

(गायन स्वरवाद्य– प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास/ Histroy & Development of IndianMusic)

Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे पूर्णाक :–70

इकाई–1

1. श्रुतियों के विभिन्न माप, प्रमाण श्रुति, उपमहति श्रुति और महति श्रुति का अध्ययन।
2. व्यंकटमखी और अहोबल के शुद्ध एवं विकृत स्वरो का अध्ययन।

इकाई–2

1. ध्रुपद–धमार की उत्पत्ति एवं दरभंगा, डागर, विष्णुपुर ख्याल एवं ठुमरी का विकास।
2. ध्रुपद शैली का ख्याल और वादन की शैलियों पर हुए प्रभाव का अध्ययन।

इकाई–3

1. संगीत पारिजात एवं चर्तुदण्डि प्रकाशिका ग्रंथों का परिचय।
2. मार्ग एव देशी ताल पद्धति का परिचय।

इकाई–4

1. ताल के दस प्राणों का अध्ययन।
2. कर्नाटक संगीत पद्धति के प्रमुख गीत प्रकारों का अध्ययन एवं कर्नाटक और हिन्दूस्तानी संगीत पद्वति के मिलते–जुलते राग, स्वर रूप की दृष्टि से।

इकाई–5

1. अष्टछाप के संत कवियों का सांगीतिक योगदान।
2. सांगीतिक योगदानः– पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. कुमार गधंर्व, उस्ताद अब्दुलकरीम खॉ, उस्ताद हाफिज अली खॉ।
3. संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यनूतम 300 शब्दों में निबन्ध।

1. संगीत गोष्ठियों व सम्मलेन का आयाजन ।
2. संगीत का सामाजिक पक्ष।
3. रंगमंच में गीत की भूमिका।
4. लोकप्रिय संगीत पर विदेशी संगीत का प्रभाव।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र

(संगीत का क्रियात्मक सिद्धांत/Applied Principle of Music)

Session-2023-24

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. रागांग वर्गीकरण के अंतर्गत सारंग कान्हडा भैरव एवं मल्हार रागांगों का अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में बंदिशों की स्वरलिपि, आलाप व तान लिखना तथा पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. थाट राग वर्गीकरण का अध्ययन एवं पाठ्यक्रम रचना के सिद्धांत।
2. गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 एवं कनार्टक संगीत के 72 मलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आधार पर एक राग से 484 राग बनाने की विधि।

इकाई–3

1. दिये गये पद्यांश या वाद्य गत वाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।
2. शाधे प्रविधि का सामान्य अध्ययन, एवं भारतीय संगीत मे ंशाधे की संभावनाएँ।

इकाई–4

1- आड, कुआड एवं बिआड की उदाहरण सहित व्याख्या।

2- अपने सम समान्तरालीय स्वर सप्तक के गुण एव दोश।

इकाई–5

1. विश्व संगीत के अंतर्गत तीन देशों– अरब, चीन एवं जापान के संगीत का संक्षिप्त इतिहास। भारतीय शास्त्रीय संगीत का विदेशों में प्रचार प्रसार एवं भारतीय संगीत का वैश्वीकरण।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिक–प्रथम

(प्रदर्शन एवं मौखिक/ **Demonstration &Viva** *)*

Session-2023-24

समयः– 30 मिनिट पूर्णाक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों मे ंविलम्बित ख्याल एवं छोटे ख्याल/मसीतखानी गत, रजाखानी गत की प्रस्तुति (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ)। कौंसी कान्हडा, मेघमल्हार, गौड मल्हार, जागकौसं,मधुकौंस, भटियार,जोगिया, कोमल रिषभ आसावरी।

2. उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, लयकारी सहित एवं दो तराने गायकी सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त तीन विभिन्न तालों में रचना या धुन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट / परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)

द्वितीय वर्ष–चतुर्थ सेमेस्टर

गायन / स्वरवाद्य प्रायोगिक–द्वितीय

*(मंच प्रदर्शन /*Stage Performance *)*

Session-2023-24

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनिट में बडा ख्याल, मसीतखानी गत का प्रदर्शन।

2. परीक्षक द्वारा दिये गये 5 रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।

3. ठुमरी–दादरा की प्रस्तुति। पहाडी, शिवरंजनी, किरवाणी। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।